आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 320 | उज्जैन, शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

प्रदेश सरकार प्रतिबंधित कफ़ सिरप से जुड़े किसी दोषी को छोड़ेगी नहीं-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नागपुर में उपचार-रत बच्चों और उनके परिजन से कुशल क्षेम जानी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रतिबंधित कफ सिरप का उपयोग किए जाने के मामले से संबंधित किसी भी दोषी को मध्यप्रदेश सरकार नहीं छोड़ेगी। अभी तमिलनाडु की दवा कंपनी के जिम्मेदार लोगों को दबोचा गया है और उनकी गिरफ्तारी हुई है। मध्यप्रदेश सरकार मानवीय और प्रशासनिक दोनों आधार पर कार्रवाई जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को नागपुर के विभिन्न अस्पताल में उपचाररत बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने और परिजन से चर्चा करने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे।

तमिलनाडु सरकार से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तमिलनाडु में निर्मित दवा के उपयोग से ही बच्चों की मृत्यु की बात प्रमाणित हुई है। मध्यप्रदेश पुलिस ने दोषी लोगों की गिरफ्तारी की है। दुर्भाग्य की बात है कि तमिलनाडु सरकार की तरफ से अपेक्षित सहयोग प्राप्त नहीं हो रहा है। तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर को दवा कंपनी की नियमानुसार जांच करना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा रेंडम सैंपल लेकर आवश्यक जांच करवाई गई और छिंदवाड़ा के चिकित्सक सहित और अन्य दोषियों का निलंबन भी किया गया है और ड्रग कंट्रोलर को हटाया गया है।

इसके साथ ही, जो डॉक्टर उस कंपनी की प्रतिबंधित दवा रोगियों के लिए लगातार लिख रहे है, उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तमिलनाडु सरकार को नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई करना चाहिए। अब तक की जांच में मूल रूप से मैन्युफैक्चरिंग के स्तर पर त्रुटि की बात सामने आई है।

गरबा में पत्थर बरसाने वालों के खिलाफ बुलडोजर एक्शन! 190 अवैध दुकानों को तोड़ने के काम शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के गांधीनगर में पथराव की घटना के बाद से प्रशासन एक्शन मूड में है। बहियाल गांव में तोड़फोड़ अभियान जारी है। प्रशासन द्वारा आज सुबह से ही गांव के मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से बनाए गए तटबंधों को तोड़ने की कार्रवाई जारी है।

दरअसल, यूपी के कानपुर में आई लव मुहम्मद लिखे बैनर लगाए गए थे। इस तरह के बैनर सोशल मीडिया पोस्ट किए जा रहे थे। इसी दौरान बहियाल गांव के एक हिंदू युवक ने इस सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणी कर दी। इसके चलते बहियाल गांव के मुस्लिम भड़क गए और उस युवक की दुकान और आस-पास की दुकानों में तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी।

इस दौरान मुस्लिम युवकों ने आग भी लगा दी। इसके बाद वे वहां भी चले गए जहां नवरात्रि गरबा खेला जा रहा था। यहां पहुंचकर पथराव किया। जिसके कारण तनावपूर्ण माहौल हो गया।

190 कब्जेदारों को नोटिस- इस घटना के बाद प्रशासन ने करीब 190 अवैध कब्जेदारों को नोटिस जारी किया। उन्हें दो दिनों के भीतर निर्माण संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को गया था।

इस अवधि के समाप्त होने के बाद प्रशासन द्वारा गुरुवार सुबह से ही पुलिस भारी सुरक्षा के साथ अवैध कब्जे को बुलडोजर से हटाने का काम जारी है।

फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा जुबीन गर्ग का नया सॉन्ग मुर मोन, वीडियो में किसे देखकर नाराज हुए लोग?

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के सुपरस्टार जुबीन गर्ग की आखिरी फिल्म रोई रोई बिनाले से जुड़ा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। जुबीन की मृत्यु से जुड़े मामले में गिरफ्तार उनके बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी, मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और सह-गायिका अमृत प्रभा महंत के फुटेज को फिल्म से हटाने का फैसला लिया गया है।

यह फैसला फैन्स की तीखी प्रतिक्रिया और सोशल मीडिया पर भारी विरोध के बाद लिया गया। निर्देशक राजेश भूयान ने बुधवार को घोषणा की कि यह जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए यह कदम उठा रहे हैं। 31 अक्टूबर को रिलीज होने वाली यह फिल्म जुबीन के प्रशंसकों के लिए बेहद खास है। इसमें वह एक नेत्रहीन किरदार में हैं।

रिलीज होते ही वायरल हो गया गाना- फिल्म का गाना मुर मोन यूट्यूब पर रिलीज होते ही वायरल हो गया, लेकिन इसमें शेखर ज्योति गोस्वामी की मौजूदगी ने फैन्स का गुस्सा भड़का दिया। भूयान ने कहा, ÷हम शेखर के फुटेज को हटा रहे हैं क्योंकि जनता ने इस पर आपत्ति जताई है। ज़ुबीन ने कभी भी लोगों को नाराज़ करने वाला काम नहीं किया। वह हमेशा जनता के साथ थे और उनके लिए बोले।

किडनी डायलिसिस करा रही पत्नी की हत्या कर अस्पताल की छत से कूदा पति, तिरुवनंतपुरम में सनसनीखेज वारदात

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां पर गुरुवार को एक 73 वर्षीय व्यक्ति ने एक निजी अस्पताल में अपनी पत्नी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी अस्पताल से कूदकर आत्महत्या कर दी। इस घटना की जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कराकुलम निवासी जयति (63) को किडनी संबंधी समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनका डायलिसिस हुआ था। मृतका के पति भासुरन अचारी, अस्पताल में अटेंडेंट के रूप में मौजूद थे। देर रात गला घोंटकर की हत्या- पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। एफआईआर के अनुसार, रात 1 बजे से सुबह 4.30 बजे के बीच, कमरा नंबर 218 में रहने वाली जयति की कथित तौर पर भासुरन ने केबल वायर से गला घोंटकर हत्या कर दी। इस एफआईआर में बताया गया है कि हत्या कथित तौर पर इलाज के खर्च से जुड़े वित्तीय मुद्दों के कारण की गई है।

पुलिस ने इस घटना को लेकर क्या कहा- वहीं, तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज पुलिस ने इस मामले में बताया कि सुबह करीब 4.30 बजे जयति की देखभाल करने गई नर्सों ने उन्हें मृत पाया। कुछ ही देर बाद, भसुरन ने कथित तौर पर अस्पताल की पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि, आनन-फानन में भसुरन को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

वाराणसी को कूड़ाघर मुक्त करने की दिशा में पीलीकोठी में ''स्मार्ट वेस्ट मैनेजमेंट स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन'' शहर को समर्पित

नई दिल्ली (एजेंसी)। महापौर अशोक कुमार तिवारी ने पीलीकोठी क्षेत्र में ''स्मार्ट वेस्ट मैनेजमेंट स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन'' का उद्घाटन कर। स्टेशन के माध्यम से काशी को कूड़ाघर मुक्त करने की दिशा में पहल की है। पहले जहां कूड़े का ढेर लगा रहता था और दुर्गन्ध फैली रहती थी, वहीं अब नगर निगम ने 5.48 करोड़ रुपये की लागत से स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन, धनेसरा तालाब का सौन्दर्यीकरण और वाहन पार्किंग का कार्य किया है।

इस स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन के लिए आईसीआईसीआई बैंक एवं आईसीआईसीआई फाउन्डेशन ने सीएसआर के तहत 1.28 करोड़ रुपये की धनराशि से दो कैप्सूल, दो काम्पैक्टर, एक स्टेटिक मशीन और एक हुक लोडर प्रदान किया है। इस स्टेशन के माध्यम से आदमपुर जोन, कोतवाली जोन और अन्य क्षेत्रों से निकलने वाले कूड़े को आधुनिक मशीनों के जरिए सीधे प्लांट तक पहुंचाया जाएगा, जिससे कूड़े का बिखराव नहीं होगा।

इस ट्रान्सफर स्टेशन की 60 टन क्षमता के अंतर्गत घरों और प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कूड़े को कैप्सुल में काम्पैक्ट कर हुक लोडर के माध्यम से करसड़ा, रमना स्थित प्लांट पर निस्तारण के लिए भेजा जाएगा। इससे शहर में कहीं भी कूड़ा गिरा हुआ नहीं दिखेगा।

यह स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और गोरखपुर के बाद वाराणसी में स्थापित किया गया है। महापौर ने इस अवसर पर पूजा कर तथा फीता काटकर स्मार्ट ट्रान्सफर स्टेशन का शुभारम्भ किया।

TVK चीफ विजय के घर पर बम रखा है, सुबह-सुबह धमकी भरे मेल से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई के नीलांकरई में टीवीके प्रमुख विजय के घर बम की रखने की धमकी मिली। बम की सूचना मिलते ही राजनेता विजय के नीलांकरई स्थित आवास पुलिस और बम निरोधक दस्ते पहुंचे। इस दौरान विजय के आवास की गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान कोई कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली।

दरअसल, अभिनेता-राजनेता विजय को गुरुवार को एक मेल मिला। मेल में कहा गया था कि उनके नीलांकरई स्थित आवास पर बम रखा गया है।

भारत-ब्रिटेन संबंधों की नींव में ही लोकतंत्र, कीर स्टार्मर से मुलाकात के बाद बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर इस समय भारत की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। आज पीएम नरेंद्र मोदी और यूके पीएम की मुलाकात हुई। ब्रिटिश पीएम बनने के बाद स्टार्मर की ये पहली भारत की यात्रा है। दोनों नेताओं ने मुलाकात के बाद एक संयुक्त बयान में जारी किया।

पीएम मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर से मुलाकात के बाद कहा कि भारत और ब्रिटेन स्वाभाविक साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि भारत-ब्रिटेन साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण आधार बन रही है।

भारत और ब्रिटेन के संबंध हुए मजबूत- पीएम मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री स्टारर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसी जुलाई में, मेरी ब्रिटेन यात्रा के दौरान हमने ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ संयुक्त वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस समझौते (व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते) से दोनों देशों के बीच आयात लागत कम होगी, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, व्यापार बढ़ेगा और इससे हमारे उद्योगों और उपभोक्ताओं को लाभ होगा। समझौते पर हस्ताक्षर के कुछ ही महीनों के भीतर आपकी भारत यात्रा, जिसमें आपके साथ अब तक का सबसे बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल आया है, भारत-ब्रिटेन साझेदारी में नए जोश का प्रतीक है।

पीएम मोदी ने बताया प्रधानमंत्री स्टार्मर से क्या बात हुई- पीएम मोदी ने कहा कि भारत और ब्रिटेन स्वाभाविक साझेदार हैं। लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन जैसे मूल्यों में आपसी विश्वास हमारे संबंधों की नींव में निहित है। वैश्विक अस्थिरता के वर्तमान युग में, भारत और ब्रिटेन के बीच यह बढ़ती साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार रही है।

उन्होंने कहा कि आज की बैठक में हमने हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता तथा यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की। यूक्रेन संघर्ष और गाजा के मुद्दों पर, भारत बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करता है।

मीट मत खाना बस ग्रेवी खा लो..., फ्लाइट में यात्री को दिया वेज की जगह नॉनवेज खाना, दम घुटने से मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कतर एयरवेज की उड़ान में दम घुटने से 85 वर्षीय शाकाहारी यात्री डॉ. अशोका जयवीरा की मौत मांसाहारी भोजन की वजह से हो गई थी। दरअसल उन्होंने शाकाहारी भोजन ऑर्डर किया था लेकिन उन्हें मांसाहारी भोजन दिया गया था। यह घटना 30 जून, 2023 को लॉस एंजिल्स से कोलंबो जा रही 15.5 घंटे की उड़ान में हुई। अब डॉक्टर जयवीरा के बेटे ने कतर एयरवेज पर मुकदमा किया है।

दक्षिणी कैलिफोर्निया के रिटायर्ड हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जयवीरा को फ्लाइट अटेंडेंट ने मांसाहारी भोजन में से मांस हटाकर खाने की सलाह दी गई। इसके बाद परिणामस्वरूप उनकी दुखद मृत्यु हो गई।

डॉ. जयवीरा ने विशेष रूप से शाकाहारी भोजन का ऑर्डर किया था, लेकिन फ्लाइट अटेंडेंट ने कहा कि ऐसा कोई भोजन उपलब्ध नहीं है। इसके बजाय उन्हें मांसाहारी भोजन दिया गया।

मांस को हटाकर खाने की कोशिश में डॉ. जयवीरा का दम घुटने लगा और वे बेहोश हो गए। फ्लाइट क्रू ने मदद की कोशिश की और मेडएयर के दूरस्थ चिकित्सा सलाहकारों से संपर्क किया गया, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती गई।

लापरवाही के लिए कतर एयरवेज पर मुकदमा दर्ज- उड़ान को आखिरकार एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड में उतारा गया। फिर डॉ. जयवीरा को अस्पताल ले जाया गया। 3 अगस्त, 2023 को उनकी मृत्यु हो गई। मृत्यु का कारण एस्पिरेशन निमोनिया बताया गया, जो भोजन या तरल पदार्थ के फेफड़ों में चले जाने से होने वाली एक गंभीर फेफड़े की बीमारी है। उनके बेटे सूर्या जयवीरा ने कतर एयरवेज के खिलाफ गलत मौत का मुकदमा दायर किया है, जिसमें भोजन सेवा और चिकित्सा आपातकाल में लापरवाही का आरोप लगाया गया है। मुकदमे में 128,821 की क्षतिपूर्ति की मांग की गई है, जो गलत मौत और लापरवाही के लिए न्यूनतम वैधानिक राशि है।

शांति समझौता के बीच ट्रंप का मिडिल-ईस्ट दौरा, इस दिन यात्रा पर जाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति; क्या निकलेगा फैसला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिस्र के एक रिजॉर्ट में चल रही गाजा में शामति समझौते की बातचीत अब अहम मोड़ पर पहुंच गई है। बुधवार को इस वार्ता के तीसरे दिन अमेरिका के शीर्ष मिडिल ईस्ट सलाहकार, कतर के प्रधानमंत्री और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

यह इस बात का संकेत है कि अब वार्ताकार अमेरिका की शांति योजना के सबसे कठिन मुद्दों पर गहराई से चर्चा कर रहे हैं, ताकि गाजा में जारी जंग को खत्म किया

जा सके। हमास ने कहा है कि उसे मध्यस्थ देशों से यह पक्का भरोसा चाहिए कि सभी बंधकों को रिहा करने के बाद इजरायल फिर से सैन्य अभियान शुरू नहीं करेगा।

हजारों फलिस्तीनों की हुई मौत- दोनों पक्षों ने अब तक यह उम्मीद जताई है कि करीब दो साल से जारी युद्ध को खत्म करने का कोई रास्ता जल्द निकलेगा। इस संघर्ष में हजारों फलिस्तीनी मारे जा चुके हैं और गाजा पट्टी का अधिकांश इलाका तबाह हो गया है।

फिलहाल, समझौते के कुछ अहम हिस्सों पर अभी सहमति नहीं बन पाई है। इनमें सबसे बड़े मुद्दे हैं-

हमास का निरस्तीकरण (हथियार छोड़ना)

इजरायली सेना की वापसी का समय और दायरा- गाजा पर हमास के बाद शासन के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्था की स्थापना

मिडिल-ईस्ट जाएंगे ट्रंप- बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि वे आने वाले कुछ दिनों में मिडिल ईस्ट की यात्रा पर जा सकते हैं। व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा, शायद मैं इस हफ्ते के अखिरी में वहां जाऊं। बातचीत बहुत अच्छे से आगे बढ़ रही है।

गाजा में अब होगी शांति ही शांति! पीस प्लान के पहले चरण के लिए इजरायल और हमास सहमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच दो साल से चल रहे युद्ध में एक बड़ी प्रगति हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि दोनों पक्षों ने उनकी शांति योजना के पहले चरण पर सहमति बना ली है। इस समझौते के तहत लड़ाई को रोकने और कुछ बंधकों व कैदियों कि रिहाई की तैयारी की जाएगी। ट्रंप ने कहा कि यह महीनों में सबसे बड़ी सफलता है और शांति की दिशा में एक ठोस कदम है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, इसका मतलब है कि सभी बंधक बहुत जल्द रिहा किए जाएंगे और इजरायल अपनी सेना को तय की गई सीमा तक वापस बुलाएगा। यह एक मजबूत और स्थायी शांति की दिशा में पहला कदम है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस समझौते में सभी पक्षों के साथ समान व्यवहार किया जाएगा। वहीं, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, ÷ईश्वर की कृपा से हम अपने सभी लोगों को वापस घर लाएंगे।÷ इस बीच हमास ने अलग से बयान जारी कर कहा कि इस समझोके में इजरायली सेना की वापसी, मानवीय सहायता के प्रवेश की अनुमति और बंधकों व कैदियों के आदान-प्रदान की बात शामिल है।

भूटान में भूकंप से हिली धरती

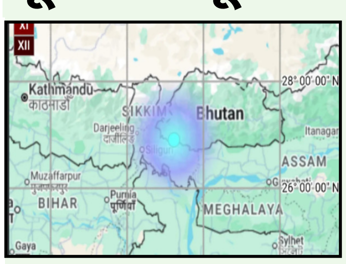

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूटान में गुरुवार सुबह 3.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि यह झटका सुबह 4 बजकर 29 मिनट पर आया था। भूकंप की गहराई सिर्फ 5 किलोमीटर थी, जिससे आफ्टरशॉक की संभावना बनी हुई है। यह इस साल भूटान में आया पहला भूकंप नहीं है। इससे पहले 8 सितंबर 2025 को भी भूटान में दो भूकंप आए थे। पहला भूकंप 2.8 तीव्रता का था, जो दोपहर 12.49 बजे दर्ज किया गया था। इसकी गहराई 10 किलोमीटर थी। दूसरा भूकंप 4.2 तीव्रता का था, जो 11.15 बजे आया था। दोनों ही झटके भूटान के अलग-अलग इलाकों में महसूस किए गए थे।

भूकंप विशेषज्ञों के अनुसार, ऊपरी सतह के भूकंप अधिक खतरनाक माने जाते हैं, क्योंकि इनके झटके जमीन तक जल्दी और ज्यादा तीव्रता से पहुंचते हैं जिससे नुकसान की संभावना बढ़ जाती है।

भूटान हिमालयी पर्वत श्रृंखला में स्थित है, जो दुनिया के सबसे भूकंप-संवेदनशील इलाकों में से एक है। एशियन डिजास्टर रिडक्शन सेंटर के अनुसार, भूटान भारतीय भूकंपीय जोन IV और V में आता है, जो सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र हैं। भूतपूर्व भूकंपों से यह साबित हुआ है कि भूटान में भूकंप सबसे बड़ा प्राकृतिक खतरा बना हुआ है।

अमेरिका में दो जगह गोलीबारी से सहमे लोग, चार की मौत; हमलावर ने हमले के बाद की आत्महत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के ह्यूस्टन में बुधवार को हुई दो अलग-अलग जगहों की गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें हमलावर भी शामिल है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी लग रही हैं।

ह्यूस्टन के उपनगर शुगर लैंड में दोपहर करीब 1 बजे एक कार चालक ने दूसरी कार पर गोलियां चलाई। दूसरी कार के ड्राइवर को गंभीर चोट लगी और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस प्रवक्ता एलिसिया एलानिज ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह रोड रेज का मामला था या किसी और वजह से झगड़ा हुआ था।

कहां हुई दूसरी घटना- इस घटना के करीब आधे घंटे के बाद और पहली वारदात से करीब 11 किलोमीटर दूर एक मैकेनिक की दुकान में गोलीबारी की खबर आई। पुलिस अधिकारी लेफ्टिनेंट लैरी क्रॉसन ने बताया कि वहां हमलावर ने एक मैकेनिक और एक गवाह को गोली मारी। गवाह उस समय हमलावर का वीडियो बना रहा था, जब वह वहां से जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि दोनों घटनाओं में हमलावर और वाहन का विवरण एक जैसा था। थोड़ी देर बाद पुलिस को उसका शव करीब 6 किलोमीटर दूर एक वाहन में मिला। जांच में पता चला कि उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस अभी तक पीड़ितों और हमलावर के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर से सहमे पाकिस्तान को फिर सता रहा भारत के हमले का डर, पाक रक्षा मंत्री ने खुले मंच पर कराई अपनी बेइज्जती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच महीने पहले ऑपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों मुंह की खाने वाला पाकिस्तान अब भी इस सैन्य अभियान से सहमा है। उसे इस बात का डर सता रहा है कि उस पर भारत फिर हमला कर सकता है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान से इस डर का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा है कि भारत के साथ युद्ध का खतरा वास्तविक है। इसके साथ ही मुंगेरी लाल की तरह सपने देख रहे मंत्री ने यह दावा तक कर डाला कि भविष्य में अगर कोई सशस्त्र संघर्ष हुआ तो उनका देश ज्यादा बड़ी जीत हासिल करेगा।

ख्वाजा का बड़बोलापन- उनका यह बड़बोलापन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी के हालिया बयानों के बाद आया है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने मंगलवार को समा टीवी को दिए एक इंटरव्यू में यह टिप्पणी उस सवाल पर की, जिसमें उनसे भारतीय नेताओं और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के हालिया बयानों के बारे में पूछा गया था।

ख्वाजा ने कहा कि सशस्त्र टकराव का खतरा है। पाकिस्तान चौकन्ना है और स्थिति पर नजर रख रहा है। उन्होंने कहा, ÷मैं तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन खतरा वास्तविक है। मैं इसे नकार नहीं रहा हूं। अगर युद्ध की स्थिति आती है तो अल्लाह की मर्जी से हम पहले से बेहतर परिणाम प्राप्त करेंगे।

ख्वाजा ने यह भी दावा कर दिया कि पाकिस्तान के पास अब छह महीने पहले की तुलना में अधिक समर्थक और सहयोगी हैं, जबकि भारत ने उन देशों का समर्थन भी खो दिया है जो मई से पहले उसके पक्ष में थे।

H1B वीजा और टैरिफ का बुरा असर! अमेरिका में घटी इंटरनेशनल छात्रों की संख्या; इस साल पहुंचे सिर्फ इतने स्टूडेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका आने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अगस्त में 19 प्रतिशत कम रही। कोविड महामारी के बाद अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के आगमन में यह सबसे बड़ी गिरावट है।

अंतरराष्ट्रीय छात्रों के संख्या में यह गिरावट इसलिए आइ है क्योंकि ट्रंप प्रशासन ने वीजा प्रक्रिया में देरी की, 19 देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए, फलस्तीन समर्थक भाषण देने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों को निर्वासित करने की धमकी दी और छात्र वीजा आवेदकों की जांच कड़ी कर दी।

कितने छात्र जाते हैं अमेरिका- अंतराष्ट्रीय छात्रों के आगमन रिकार्ड पर आधारित इस डाटा में अमेरिका में प्रवेश करने वाले नए अंतराष्ट्रीय छात्र और देश में लौटने वाले मौजूदा अंतराष्ट्रीय छात्र, दोनों शामिल हैं। इसका मतलब है कि सिर्फ नए छात्रों की संख्या ज्ञात नहीं है। लेकिन अतीत में, अगस्त में आने वाले छात्र शरद ऋतु में नामांकन का संकेतक रहे हैं।

ज्यादातर अंतराष्ट्रीय छात्र अगस्त में शरद ऋतु सेमेस्टर के लिए पहुंचते हैं, क्योंकि वे अपने कार्यक्रम शुरू होने से 30 दिन पहले देश में प्रवेश नहीं कर सकते। हाल के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में किसी भी देश की तुलना में सबसे अधिक अंतराष्ट्रीय छात्र आते हैं जिनकी संख्या लगभग 13 लाख के आसपास होती है।

इनमें 70 प्रतिशत से अधिक छात्र एशिया से होते हैं और इस वर्ष अगस्त में एशियाई छात्रों की संख्या में 24 प्रतिशत की गिरावट आई है। लगभग तीन में से एक अंतराष्ट्रीय छात्र भारतीय होता है।

सुप्रीम कोर्ट में जूताकांड के दो दिन बाद सीजेआई गवई ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर सुप्रीम कोर्ट के वकील राकेश किशोर ने जूता उछाला। जूते से हुए हमले पर सीजेआई बीआर गवई ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि सोमवार को जो हुआ उससे मैं और मेरे विद्वान भाई बहुत स्तब्ध हैं। हमारे लिए यह एक भुला हुआ अध्याय है।

दरअसल, यह घटना सोमवार को उस वक्त घटी जब मुख्य न्यायाधीश गवई कोर्ट नंबर 1 में उस दिन के पहले मामले की सुनवाई कर रहे थे। इसी दौरान राकेश किशोर नामक वकील ने सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को जारी किए गए प्रॉक्सिमिटी कार्ड का इस्तेमाल करते हुए अचानक अपना जूता निकालाकर बेंच की ओर फेंक दिया और चिल्लाया, सनातन का अपमान नहीं सहेंगे।

हंगामे के बाद भी शांत रहें न्यायधीश- हालांकि, गनीमत रही कि जूता बेंच से थोड़ा नीचे गिरा। इस दौरान कोर्ट के सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उस व्यक्ति (वकील) को काबू में किया और बाहर ले गए। इस घटना के दौरान कोर्ट में सन्नाटा छा गया। इस हंगामे के वाबजूद मुख्य न्यायाधीश शांत रहे और कार्यवाही जारी रखी।

सीजेआई बीआर गवई ने अपने कर्मचारी को निर्देश देते हुए कहा कि मैं ऐसी चीज़ों से प्रभावित होने वाला आखिरी व्यक्ति हूं। उन्होंने कहा, इस सब से विचलित न हों। हम विचलित नहीं हैं। ये चीजें मुझे प्रभावित नहीं करतीं। इस घटना के दो दिन बीत जाने के बाद मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि सोमवार का जो हुआ उससे मैं स्तब्ध हूं। वहीं इस घटना की सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कड़ी निंदा की। तुषार घटना के दौरान वहां मौजूद थे।

प्यार में खोए पाकिस्तानी प्रेमी जोड़े ने पार की सीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां भारत-पाकिस्तान सीमा के पास रतनपुर गांव में पुलिस ने पाकिस्तान से आए प्रेमी जोड़े को हिरासत में लिया है। दोनों अवैध तरीके से बॉर्डर पार कर भारत की सीमा में घुसे थे। पूछताछ के दौरान पता चला कि पाकिस्तान से घुसपैठ करके भारतीय सीमा में घुसे थे।

दरअसल, यह घटना गुजरात के कच्छ जिले के खड़ीर बेट इलाके की है। जहां रतनपुर के जंगल में पाकिस्तानी प्रेमी जोड़े संदिग्ध हालात में पकड़े गए हैं। प्रेमी जोड़े ने कबूला कि वे परिवार की कैद से छूटने के बाद रातोंरात सीमा पार कर भारत में घुस आए थे। यह जोड़ा पाकिस्तान के इस्लामकोट गांव का बताया जा रहा है।

सुरक्षा एजेंसी कर रही जांच- इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों को सूचित कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि इनके पास पाकिस्तानी होने का कोई सबूत नहीं था। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पकड़े गए जोड़ों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्योंकि यह जोड़ा अंतराष्ट्रीय सीमा से 40 किलोमीटर अंदर तक पहुंच गया।

बीजेपी सांसद पर हमले की जांच करेगी NIA, कलकत्ता हाईकोर्ट ने दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता हाईकोर्ट ने गुरुवार को भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर उत्तर बंगाल के नागराकाटा में हुए हमले की राष्ट्रीय जांच एजेंसी से जांच की मांग वाली याचिका को स्वीकार कर लिया है।

भाजपा सांसद पर ये हमला इस हफ्ते के शुरुआत में उस समय हुआ था जब सांसद मुर्मू और भाजपा विधायक शंकर घोष जलपाईगुड़ी में बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने गये थे।

एनडीटीवी के मुताबिक बुधवार को बंगाल के भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने कहा कि वो इस मामले की केंद्रीय जांच एजेंसियों से जांच करवाने कि मांग करते हैं। साथ ही मजूमदार ने ये भी कहा था कि राज्य को जांच कि जिम्मेदारी लेनी चाहिए, लेकिन वो जानते हैं कि सरकार ऐसा नहीं करेगी।

एनडीटीवी के अनुसार बीजेपी के आदिवासी नेता मुर्मू ने बताया कि उनके हमलावरों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हवाला देते हुए कहा, ÷हम दीदी के आदमी हैं÷ उन्होंने कहा, ÷उन लोगों ने हम पर हमला किया... हमें धक्का दिया, पीटा, हमारी गाड़ी पर पत्थर फेंके।÷

इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील सयान चट्टोपाध्याय ने कोर्ट में कहा कि चूंकि खगेन मुर्मू अनुसूचित जनजाति से आते हैं, इसलिए घटना की अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) एक्ट के तहत केस दर्ज किया जाए।

महिलाओं के लिए खुशखबरी! कर्नाटक कैबिनेट ने पीरियड लीव को दी मंजूरी, हर महीने मिलेंगी इतनी छुट्टियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने आज कहा कि राज्य में महिला कर्मचारियों को प्रति माह एक मासिक धर्म अवकाश मिलेगा। सरकार ने कहा कि राज्य भर में सरकारी कार्यालयों, परिधान उद्योगों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, आईटी फर्मों और अन्य निजी क्षेत्र के संगठनों में काम करने वाली महिला कर्मचारियों को प्रति माह एक भुगतान सहित मासिक धर्म अवकाश मिलेगा। राज्य सरकार ने कहा कि उसने कामकाजी महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में रखते हुए तथा एक सहायक और समावेशी कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए यह निर्णय लिया है। कैबिनेट नोट में कहा गया है, यह निर्णय कामकाजी महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में रखते हुए और अधिक समावेशी और सहायक कार्य वातावरण को प्रोत्साहित करने के लिए लिया गया है। इस पहल का उद्देश्य मासिक धर्म स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाना और महिला कर्मचारियों के लिए शारीरिक और मानसिक आराम सुनिश्चित करना भी है।

महिलाओं के लिए मददगार होगी यह नीति- राज्य के कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि इस कदम से कामकाजी महिलाओं को काफी लाभ होगा। उन्होंने कैबिनेट बैठक के बाद जानकारी देते हुए कहा, यह महिलाओं के लिए मददगार होगा। यह नीति अन्य राज्यों में सफल रही है और हमने इसे अपनाने का फैसला किया है।

इन राज्यों में लागू है प्रावधान- इसके साथ ही कर्नाटक उन राज्यों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने कार्यस्थल कल्याण सुधारों के तहत मासिक धर्म अवकाश प्रावधानों को लागू किया है। बिहार, ओडिशा, केरल और सिक्किम जैसे अन्य राज्यों ने भी मासिक धर्म के लिए सवेतन अवकाश लागू किया है। कोई नीति हो या न हो, कोई भी निजी क्षेत्र की कंपनी इसे लागू कर सकती है। जोमैटो, स्विगी, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), बायजूज और गोजूप जैसी कंपनियों ने मासिक धर्म के लिए सवेतन अवकाश की घोषणा की है।

रणथंभौर टाइगर रिजर्व में अनोखा नजारा, दो बाघिनों के बीच टेरिटोरियल फाइट देख गदगद हुए पर्यटक

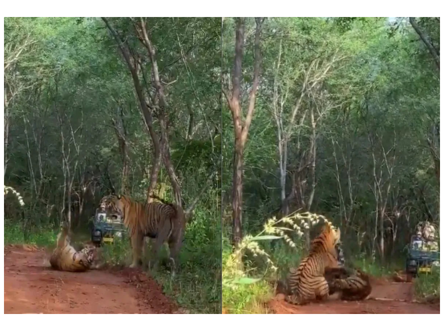

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंगल सभी को आकर्षित करता है। यहां की शांति, वन्यजीव और पेड़-पौधे दिल को लुभाने का काम करते हैं।जंगल के इसी शांति भरे माहौल में मंगलवार को पर्यटकों को एक बेहद रोमांचक मुकाबला देखने को मिला।

जहां रणथंभौर की एक प्रसिद्ध बाघिन रिद्धि (टी-124) रिजर्व जोन-3 में अपनी बेटी मीरा के साथ भिड़ती हुई नजर आई।जंगल सफारी के दौरान मां-बेटी की इस अनोखी लड़ाई को देख पर्यटक उत्साहित हो उठे।इस पूरी घटना का एक विडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें दोनों बाघिनों को भिड़ते हुए देखा जा सकता है।

रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में बाघिनों का संघर्ष- रणथंभौर में जंगल सफारी के दौरान सुबह-सुबह पहले मां और बेटी बाघिनों को एक-दूसरे के पास देखा गया। लेकिन मीरा ने जल्द ही मां रिद्धि को अपने इलाके पर कब्ज़ा करने की चुनौती दे डाली। जिसके तुरंत बाद यह चुनौती एक हिंसक लड़ाई में बदल गई। दोनों बाघिनें को ज़ोर-ज़ोर से दहाड़ते हुए देखा गया.उनकी आवाज से जंगल कि शांति शोर में बदल गई। मां-बेटी के बीच का ये संघर्ष छोटा लेकिन जोरदार था अंत में रिद्धि ने जीत हासिल कर ली। मीरा ने हार मान ली और वापस जंगल में भाग गई।

रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान के मुताबिक, बाघिन रिद्धि इसी उद्यान की प्रसिद्ध बाघिन मछली की पांचवीं पीढ़ी है। वह बाघिन एरोहेड की बेटी है और अपनी परदादी की तरह ही बलवान है। रिद्धि ने अब अपनी मां के इलाके को अब अपना इलाका बना लिया है और उसे जोन 3 और 4 में पदम झील, राज-बाग, मलिक झील और मंदूब इलाके में देखा जा सकता है।

बाघिनें मछली कि विरासत - इस क्षेत्र को रणथंभौर का दिल माना जाता है, जहां प्रमुख बाघिनों की विरासत मछली से शुरू हुई, उसके बाद उसकी बेटी सुंदरी, फिर कृष्णा, एरोहेड और अब रिद्धि पीढ़ी को आगे बढ़ा रही है।

अपने ही देश को डंप ट्रक बता दिया, संयुक्त राष्ट्र महासभा में सांसद पीपी चौधरी का पाकिस्तान पर करारा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सांसद पीपी चौधरी ने 8 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में जम्मू और कश्मीर पर पाकिस्तान की टिप्पणियों का कड़ा खंडन करते हुए कहा कि केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग बना रहेगा।

पाकिस्तान की टिप्पणियों को निराधार बताते हुए चौधरी ने कहा कि यह इस्लामाबाद की ओर से संयुक्त राष्ट्र के मंचों का अभ्यस्त दुरुपयोग दर्शाता है, ताकि वह अपने धांधली वाले चुनावों, विपक्षी नेताओं को जेल में डालने और विरोध प्रदर्शनों के हिंसक दमन से वैश्विक ध्यान हटा सके।

पाकिस्तान पर किया तीखा प्रहार- पाकिस्तान के नेतृत्व पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि यहां तक कि उसके सेना प्रमुख ने भी हाल ही में देश को डंप ट्रक बताया था, जिससे शासन की गहरी विफलता उजागर हुई है। भारत की विकासात्मक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, सांसद ने कहा कि पिछले दशक में 25 करोड़ से ज्यादा लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया है।

महिला सशक्तिकरण बन गया राष्ट्रीय मिशन- उन्होंने आगे कहा कि लगभग 80 करोड़ नागरिक सार्वजनिक वितरण प्रणाली से लाभान्वित होते हैं और सामाजिक सुरक्षा 60 प्रतिशत से ज्यादा आबादी तक पहुंचती है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण एक राष्ट्रीय मिशन बन गया है। महिला आरक्षण विधेयक (2023) को एक ऐतिहासिक सुधार बताते हुए, चौधरी ने उच्च शिक्षा में महिलाओं के नामांकन में रिकॉर्ड वृद्धि और 2024-25 तक महिलाओं की कार्यबल भागीदारी में 40.3 प्रतिशत की वृद्धि का उल्लेख किया।

भारत इन चीजों पर कर रहा फोकस- उन्होंने युवाओं और प्रौद्योगिकी-संचालित विकास पर भारत के फोकस पर भी प्रकाश डाला और माई भारत, स्किल इंडिया, पीएम-एनएपीएस और युवाई एआई कौशल पहल जैसे कार्यक्रमों का जिक्र किया।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थी

संपादकीय

भारतीय संस्कृति को व्रत और त्यौहारों की संस्कृति माना जाता है

भारतीय संस्कृति को व्रत और त्यौहारों की संस्कृति माना जाता है। पूर्ण आस्था एवं विश्वास से जुड़े ये पर्व भारतीय स्त्रियों के जीवन का अभिन्न अंग है। ऐसा ही एक व्रत है करवा चौथ। इसमें महिलाएं अपने पति को परमेश्वर रूप समझकर उसके उत्तम स्वास्थ्य लंबी आयु तथा सुख समृद्धि के लिए देवी-देवताओं की उपासना तथा कई प्रकार के व्रत-उपवास व पूजा पाठ करती रहती है। करवा चौथ का व्रत भी पत्नी अपनी पति के स्वास्थ्य के लिए, उसकी लम्बी आयु के लिए रखती है। इस दिन सुहागिनें निर्जल व्रत रखकर अहोई देवी की पूजा करती हैं।

करवा चौथ के व्रत के समय सुहागिन औरतें सूर्य निकलने से पहले से लेकर शाम को चांद के दर्शन होने तक भूखी-प्यासी ही रहती हैं, बल्कि वे इस दिन सिलाई, कढ़ाई, कातना व बुनना आदि सब कुछ बन्द कर देती हैं।

करवा चौथ के नाम के अनुसार करवा का अर्थ मिट्टी का बर्तन है। शाम को जब चांद निकलता है तब व्रत रखने वाली सुहागिनें करवा में पानी डालकर उस पानी में चन्द्रमा को देखती हैं। कार्तिक मास की पूर्णिमा के बाद की चौथी तिथि को करवा चौथ कहा जाता है। इस दिन सुहागिन औरत सीधे रूप में चन्द्रमा के दर्शन करना अशुभ समझती है। इसलिए प्रत्येक सुहागिन औरत करवा में पानी डालकर उसको छत के ऊपर रखकर उस पानी में या फिर छलनी से चन्द्रमा को देखती है। औरतें ऐसा क्यों करती हैं इस बारे में हमारी पुराण कथाओं के आधार पर एक कथा इस प्रकार है-

शिवजी महाराज अपनी गुफा में बैठे समाधि में तल्लीन थे। पार्वती को कामवासना ने विवश कर दिया। सोलह श्रृंगार करके अपनी काम ललित नृत्य कला से पार्वती ने शिवजी की समाधि भंग कर दी। शिवजी ने पार्वती को शाप दे दिया तथा उनसे नाराज हो गये। तब पार्वती ने भूखी-प्यासी रहकर शिवजी महाराज को प्रसन्न किया।

दूसरी दंत कथा यह है कि इस दिन माता सीता व श्रीरामचन्द्र जी ने गृहस्थ जीवन अपनाया था।

करवा चौथ व्रत क्यों रखा जाता है इस बारे में भी दो कथाएं हैं। पहला यह है कि इन्द्रप्रस्थ नगर में एक पंडित के घर सात लड़के व एक लड़की थी। लड़की का नाम वीरवती था। छोटी उम्र में ही उसका विवाह एक सुदर्शन नाम के लड़के से कर दिया गया। पंडितजी के सातों लड़के पहले ही शादीशुदा थे। करवा चौथ वाले दिन वीरवती की सातों भाभियों ने व्रत रखकर उसे पूर्ण विधि से सम्पूर्ण किया। परन्तु वीरवती व्रत रखने के कुछ ही देर बाद भूख व प्यास के कारण तड़पने लगी। अकेली लड़की होने के कारण वह सारे परिवार की लाड़ली थी, जिस कारण उसके भाई उसकी यह दशा देखकर व्याकुल हो गये।

उन्होंने सोचा कि जब तक चन्द्रमा दिखाई देगा तब तक वीरवती प्राण त्याग देगी। इसलिए भाइयों ने उसकी जान बचाने के लिए एक वृक्ष पर जाकर दीपक जला दिया। उस दीपक को एक कांसे की परात के सामने करके चांद के आकार का घेरा बना दिया तथा अपनी बहन को कहा कि चांद निकल आया है। व्रत रखने वाली औरतें चांद के सीधे रूप से दर्शन नहीं करती, परन्तु वीरवती भूख के कारण बेहाल थी जिस कारण उसने दीपक के चांद को असली चांद समझकर उसके सीधे ही दर्शन करके उसको अर्ध्य देकर अन्न पानी ग्रहण कर लिया। ऐसा करने से उसका व्रत खंडित हो गया और उस कारण उसका पति बीमार हो गया, अब वीरवती हमेशा अपने पति की बीमारी के कारण व्याकुल रहने लगी।

कुछ ही समय के बाद इन्द्र की पत्नी इन्द्राणी करवा चौथ का व्रत रखने के लिए देवलोक से भूलोक पर आई। वीरवती ने इन्द्राणी के पास जाकर अपने पति के स्वास्थ्य के लिए कोई उपाय पूछा। इन्द्राणी ने कहा कि तुमसे करवा चौथ का व्रत खंडित हो गया है।

करवा चौथ

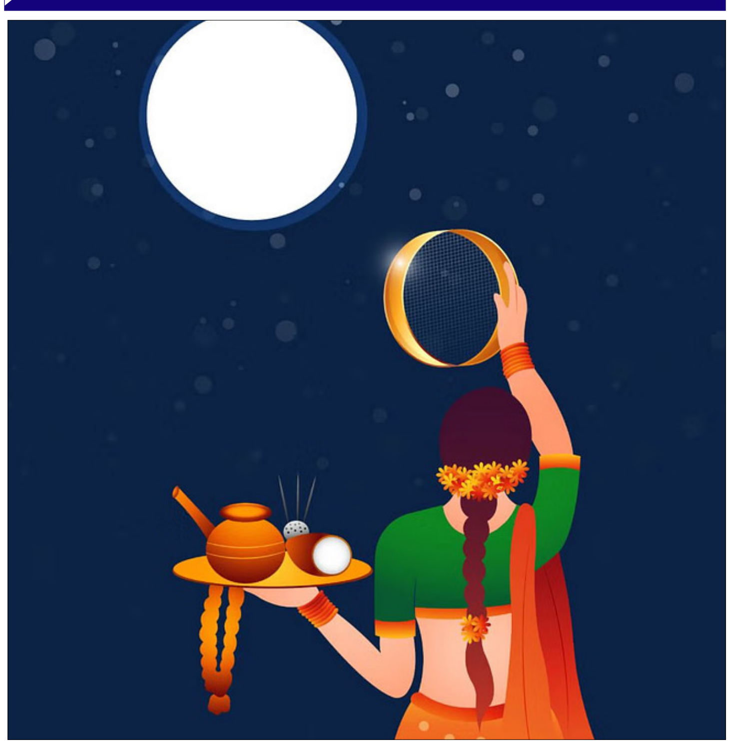

करवा चौथ का पर्व भारत में उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में मुख्य रूप से मनाया जाता है। करवा चौथ का व्रत कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। करवा चौथ स्त्रियों का सर्वाधिक प्रिय व्रत है। यों तो प्रत्येक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को गणेश जी और चंद्रमा का व्रत किया जाता है। परंतु इनमें करवा चौथ का सर्वाधिक महत्व है। इस दिन सौभाग्यवती स्त्रियां अटल सुहाग, पति की दीर्घ आयु, स्वास्थ्य एवं मंगलकामना के लिए यह व्रत करती हैं। वामन पुराण में करवा चौथ व्रत का वर्णन आता है।

मान्यताएँ

करवा चौथ व्रत को रखने वाली स्त्रियों को प्रातःकाल स्नान आदि के बाद आचमन करके पति, पुत्र-पौत्र तथा सुख-सौभाग्य की इच्छा का संकल्प लेकर इस व्रत को करना चाहिए।

करवा चौथ के व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय, गणेश तथा चंद्रमा का पूजन करने का विधान है।

स्त्रियां चंद्रोदय के बाद चंद्रमा के दर्शन कर अर्ध्य देकर ही जल-भोजन ग्रहण करती हैं।

पूजा के बाद तांबे या मिट्टी के करवे में चावल, उड़द की दाल, सुहाग की सामग्री जैसे- कंघी, शीशा, सिन्दूर, चूड़ियां, रिबन व रुपया रखकर दान करना चाहिए तथा सास के पांव छूकर फल, मेवा व सुहाग की सारी सामग्री उन्हें देनी चाहिए।

व्रत की प्रक्रिया

करवा चौथ में प्रयुक्त होने वाली संपूर्ण सामग्री को एकत्रित करें।

व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात् यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें- मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।

पूरे दिन निर्जल रहें।

दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे %वर% कहते हैं। चित्रित करने की कला को %करवा धरना% कहा जाता है।

आठ पूरियों की अठावरी, हलुआ और पक्के पकवान बनाएँ।

पीली मिट्टी से गौरी बनाएँ और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएँ।

गौरी को लकड़ी के आसन पर बिठाएँ। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएँ। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें।

जल से भरा हुआ लोटा रखें।

बायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूँ और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें।

रोली से करवा पर स्वस्तिक बनाएँ।

गौरी-गणेश और चित्रित करवा की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना करें। नमः शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभाम्। प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे॥

करवा पर 13 बिंदी रखें और गेहूँ या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें।

कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ घुमाकर अपनी सासू जी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें।

तेरह दाने गेहूँ के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें।

रात्रि में चन्द्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चन्द्रमा को अर्ध्य दें।

इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएँ और स्वयं भी भोजन कर लें।

जिस वर्ष लड़की की शादी होती है उस वर्ष उसके पीहर से चौदह चीनी के करवों, बर्तनों, कपड़ों और गेहूँ आदि के साथ बायना भी आता है।

सास भी अपनी बहू का सरगी भेजती है। सरगी में मिठाई, फल, सेवइयां आदि होती है। इसका सेवन महिलाएं करवाचौथ के दिन सूर्य निकलने से पहले करती हैं।

उजमन

अन्य व्रतों के समान करवा चौथ का भी उजमन किया जाता है। करवा चौथ के उजमन में एक थाल में तेरह जगह चार-चार पूड़ियाँ रखकर उनके ऊपर सूजी का हलुआ रखा जाता है। इसके ऊपर साड़ी-ब्लाउज और रुपये रखे जाते हैं। हाथ में रोली, चावल लेकर थाल में चारों ओर हाथ घुमाने के बाद यह बायना सास को दिया जाता है। तेरह सुहागिन स्त्रियों को भोजन कराने के बाद उनके माथे पर बिंदी लगाकर और सुहाग की वस्तुएँ एवं दक्षिणा देकर विदा कर दिया जाता है।

पौराणिक साहित्य

पौराणिक साहित्य के सबसे आदर्श और सबसे आकर्षक युगल शिव-पार्वती हैं और भारत में पति-पत्नी के बीच के सारे पर्व और त्योहार शिव और पार्वती जी से जुड़े हुए हैं। वह पर्व चाहे हरतालिका तीज हो, मंगलागौरी, जया-पार्वती हो या फिर करवा चौथ हो। अपने पति के स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए किया जाने वाला करवा चौथ का व्रत हर विवाहित स्त्री के जीवन में एक नई उमंग लाता है। कुंवारी लड़की अपने लिए शिव की तरह प्रेम करने वाले पति की कामना करती है और इसके लिए सोमवार से लेकर जया-पार्वती तक के सभी व्रत पूरी आस्था से करती है। इसी तरह करवा चौथ का संबंध भी शिव और पार्वती से है।

परंपरा और विश्वास का त्योहार

परंपरा वक्त की मांग के अनुसार बनी होती है, वक्त के साथ परंपरा में संशोधन किया जाना चाहिये पर उसको तिरस्कृत नहीं करना चाहिये, आखिर यही परम्परा हमारे पूर्वजों की धरोहर है। भारतीय महिलाओं की आस्था, परंपरा, धार्मिकता, अपने पति के लिये प्यार, सम्मान, समर्पण, इस एक व्रत में सब कुछ निहित है। भारतीय पत्नी की सारी दुनिया, उसके पति से शुरू होती है उन्हीं पर समाप्त होती है। चाँद को इसीलिये इसका प्रतीक माना गया होगा क्योंकि चाँद भी धरती के कक्षा में जिस तन्मयता, प्यार समर्पण से वो धरती के इर्द गिर्द रहता है, भारतीय औरतें उसी प्रतीक को अपना लेती हैं। वैसे भी भारत, अपनी परंपराओं, प्रकृति प्रेम, अध्यात्मिकता, वृहद संस्कृति, उच्च विचार और धार्मिक पुरज़ोरता के आधार पर विश्व में अपने अलग पहचान बनाने में सक्षम है। इसके उदाहरण स्वरूप करवा चौथ से अच्छा कौन सा व्रत हो सकता है जो कि परंपरा, अध्यात्म, प्यार, समर्पण, प्रकृति प्रेम, और जीवन सबको एक साथ, एक सूत्र में पिरोकर, सदियों से चलता आ रहा है।

यह पावन व्रत किसी परंपरा के आधार पर न होकर, युगल के अपने ताल-मेल पर हो तो बेहतर है। जहाँ पत्नी इस कामना के साथ दिन भर निर्जला रहकर रात को चाँद देखकर अपने चाँद के शाश्वत जीवन की कामना करती है, वह कामना सच्चे दिल से शाश्वत प्रेम से परिपूर्ण हो, न कि सिर्फ़ इसलिये हो कि ऐसी परंपरा है। यह तभी संभव होगा जब युगल का व्यक्तिगत जीवन परंपरा के आधार पर न जाकर, प्रेम के आधार पर हो, शादी सिर्फ़ एक बंधन न हो, बल्कि शादी नवजीवन का खुला आकाश हो, जिसमें प्यार का ऐसा वृक्ष लहराये जिसकी जड़ों में परंपरा का दीमक नहीं, प्यार का अमृत बरसता हो, जिसकी शाखाओं में, बंधन का नहीं प्रेम का आधार हो। जब ऐसा युगल एक दूसरे के लिये, करवा चौथ का व्रत करके चाँद से अपने प्यार के शाश्वत होने का आशीर्वचन माँगेगा तो चाँद ही क्या, पूरी कायनात से उनको वो आशीर्वचन मिलेगा। करवा चौथ महज एक व्रत नहीं है, बल्कि सूत्र है, उस विश्वास का कि हम साथ साथ रहेंगे, आधार है जीने का कि हमारा साथ ना छूटे। आज हम कितना भी आधुनिक हो जायें, पर क्या ये आधुनिकता हमारे बीच के प्यार को मिटाने के लिये होनी चाहिये?

आज भी करवा चौथ का त्योहार या व्रत पूरे उत्साह से और ज़्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। जिन लोगों को इस व्रत पर्व के बारे में मालूम नहीं था। वे शादी की सालगिरह के प्रति कम ही जागरूक होते थे। कुछ संपन्न शिक्षित और कुलीन परिवारों में दांपत्य के पचास साल पूरे हो जाने पर समारोह मनाया जाता था। आज भी मनाया जाता है। उस समारोह में दंपत्ति के नाती-पोते भी शामिल होते हैं। दंपत्ति के निजी संबंध या जीवन की अहमियत सिर्फ़ इतनी है कि वह खुद के लिए नहीं हैं। मर्यादा में रहते हुए उनके रुझान, पूरे परिवार पर ही केंद्रित होते थे। आप पुराने परिवारों को देखें, जिन्हें अक्सर ग्रामीण या बुजुर्गी का हवाला देकर हेय समझ लिया जाता है, तो पाएंगे कि वहां पति-पत्नी एक दूसरे को उनके वास्तविक नामों से नहीं, बच्चों के नाम से या देवर और बहिन के नाम से पुकारते हैं। इससे पति- पत्नी का प्रेम कम नहीं हो जाता।

आपने भी लगाया एलजी के आईपीओ में पैसा? अलॉटमेंट से पहले ही आ गई बुरी खबर; ?4717 Cr का है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के आईपीओ का आखिरी दिन है। इसके आईपीओ में गुरुवार को शाम 5 बजे तक अप्लाई किया जा सकता है। इसके आईपीओ को अच्छा रेस्पॉन्स भी मिल रहा है। करीब साढ़े 3 बजे तक आईपीओ को 36 गुना से अधिक सब्सक्राइब कर लिया गया है।

आईपीओ अलॉटमेंट होने से पहले ही एलजी से जुड़ी एक बुरी खबर आई है। दरअसल प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इनगवर्न ने एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के निवेशकों को आगाह किया है और विवादित टैक्स क्लेम समेत 4,717 करोड़ रुपये की आकस्मिक देनदारियों पर चिंता जताई है। फर्म ने कहा है कि नकारात्मक नतीजों से इक्विपमेंट और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर की इस प्रमुख कंपनी की भविष्य की इनकम में काफी गिरावट आ सकती है।

नेटवर्थ की 73% हैं देनदारियां- इनगवर्न ने कहा है कि एलजी की कुल बकाया 4,717 करोड़ रुपये की आकस्मिक देनदारियां इसकी नेटवर्थ का 73त्र है। ये देनदारियां विवादित इनकम टैक्स, एक्साइज और सर्विस टैक्स क्लेम से जनरेट होती हैं। सलाहकार फर्म ने कहा कि कंपनी ने कानूनी सलाह और अपीलीय प्लेटफॉर्म के सामने चल रही अपीलों का हवाला देते हुए इन कार्यवाहियों के लिए प्रोविजन नहीं बनाए हैं।

रॉयल्टी शुल्क भी बढ़ सकता है- इनगवर्न ने यह भी बताया कि एलजी की कोरियाई पैरेंट कंपनी शेयरधारकों की मंजूरी के बिना घरेलू मैन्युफैक्चरिंग से वार्षिक समेकित कारोबार के 5% तक रॉयल्टी शुल्क बढ़ा सकती है। पिछले तीन वर्षों में रॉयल्टी का आउटफ्लो रेवेन्यू के 1.63% से 1.90त्र के बीच रहा है, जो एक ऐसी व्यवस्था है जो छोटे निवेशकों की निगरानी के बिना मार्जिन को प्रभावित कर सकती है।

इनगवर्न की एक और चेतावनी- इनगवर्न ने एक और चेतावनी दी है। इसने कहा है कि एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा छह महीने के नोटिस के साथ स्थायी लाइसेंस समझौते को समाप्त करने या उसमें कोई भी बदलाव करने से कंपनी का एलजी ब्रांड के तहत मैन्युफैक्चरिंग और बिक्री करने का अधिकार समाप्त हो जाएगा। इससे कंपनी के ऑपरेशन में भारी अड़चन आ सकती है।

टैरिफ युद्ध के बीच चीन ने ट्रंप को फिर दी पटखनी, रेयर अर्थ मेटल के निर्यात पर लगाई नई पाबंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के टैरिफ वार के बीच चीन ने उन्हें एक और झटका दिया है। दरअसल, ड्रैगन ने रेयर अर्थ मेटल और उसकी टेक्नोलॉजी के निर्यात पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। चीन, अमेरिका के साथ बढ़ती लड़ाई की खाई के बीच इस क्षेत्र में अपना प्रभुत्व मजबूत करना चाहता है।

वहीं, दूसरी ओर चीन भारत को रेयर अर्थ मेटल की डिलीवरी कर रहा है और उसने भारत से गारंटी मांगी है कि उसके द्वारा आपूर्ति किए गए भारी दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों को संयुक्त राज्य अमेरिका को पुनः निर्यात नहीं किया जाएगा तथा भारतीय कंपनियों को शिपमेंट पुनः शुरू करने से पहले उनका उपयोग केवल घरेलू जरूरतों के लिए ही किया जाएगा।

चीन ने लगा दिया नया प्रतिबंध- चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, रेयर अर्थ माइनिंग, स्मेल्टिंग और सेपरेशन, मैग्नेटिक मैटेरियल की मैन्युफैक्चरिंग, साथ ही दुर्लभ मृदा द्वितीयक संसाधनों के उपयोग और रीसाइक्लिंग से संबंधित प्रौद्योगिकियों के निर्यात पर प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। संबंधित उत्पादन लाइनों के संयोजन, डिबगिंग, रखरखाव, मरम्मत और उन्नयन से संबंधित प्रौद्योगिकियों पर भी प्रतिबंध रहेगा। चीन के इस कदम से ट्रंप को बड़ा झटका लगा है।

इंडिका, नैनो से लैंड रोवर तक... रतन टाटा ने कैसे टाटा मोटर्स को बनाया ग्लोबल ब्रांड? आज 25 लाख करोड़ की है कंपनी

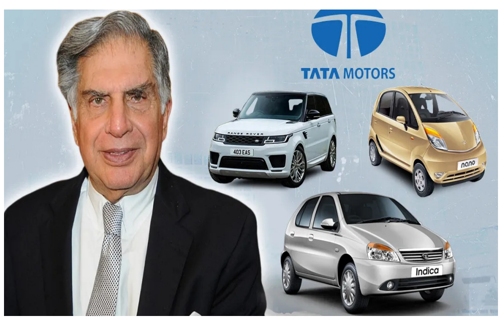

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा इंडिका से लेकर नैनो और फिर जगुआर-लैंड रोवर तकज्यह कहानी उस सपने की है, जिसे रतन टाटा ने अपनी दूरदर्शिता, साहस और जुनून से हकीकत में तब्दील कर दिया। एक समय था, जब टाटा मोटर्स सिर्फ ट्रक बनाती थी। लेकिन रतन टाटा के नेतृत्व में उसने ऐसा सफर तय किय, कि आज वही कंपनी दुनिया की लग्जरी कार ब्रांड्स की मालिक बन गई। रतन टाटा ने साबित कर दिखाया था कि अगर इरादे मजबूत हों, तो सबसे सस्ती कार बनाने वाला भी सबसे प्रीमियम ब्रांड खरीद सकता है।

यह कहानी सिर्फ बिजनेस ग्रोथ की नहीं, बल्कि रतन टाटा की सोच की है, जिन्होंने भारत को आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा। रतन टाटा ने कहा था- अगर ये सपना भारत में पूरा नहीं हुआ, तो कहीं नहीं होगा। और वाकई, उन्होंने साबित कर दिया कि सपना अगर देश के लिए देखा जाए, तो उसे सच करने की ताकत खुद देश बन जाता है। और आज टाटा मोटर्स का मार्केट कैप 24.7 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है।

साल 1991, ये वो साल था, जब रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की कमान संभाली। तब टाटा मोटर्स के पास दिखाने को बहुत कुछ नहीं था। हां, टाटा सिएरा और टाटा एस्टेट जैसी गाड़ियां थीं, लेकिन असली पहचान टाटा इंडिका से बनी और वही टाटा मोटर्स की असली कहानी की शुरुआत थी।

आज पीछे मुड़कर देखें तो टाटा इंडिका अपने समय से काफी आगे थी। भारत की अर्थव्यवस्था अभी-अभी खुली थी और रतन टाटा ने ठान लिया था कि देश में एक ऐसी कार बनेगी जो पूरी तरह भारतीय हो। यानी भारत में ही डिजाइन हो और भारत में ही मैन्युफैक्चर हो। टाटा चाहते थे कि इस कार का साइज बाहर से छोटा (मारुति जेन जैना) लेकिन अंदर से विशाल (एंबेसडर जैसा) हो। उनके इस सपने को पूरा करने के लिए 1700 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो कंपनी के लिए करो या मरो जैसा दांव था।

जीएमपी कम, फिर भी आनंद राठी को क्यों है इस आईपीओ पर विश्वास, क्या आपको निवेश करना चाहिए?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राइमरी मार्केट में दो बड़े नए आईपीओ की एंट्री हुई है। हालांकि अभी इन दोनों आईपीओ के बारे कम लोग ही बात कर रहे हैं, क्योंकि अभी निवेशकों का ध्यान टाटा कैपिटल और एलजी आईपीओ पर ज्यादा टिका हुआ है।

ये दो नए आईपीओ की बात करें तो Rubicon Research IPO निवेशकों के दिल में थोड़ी जगह बना रहा है, क्योंकि इसका जीएमपी काफी आकर्षक है। 9 अक्टूबर को इस आईपीओ का जीएमपी 98 रुपये दर्ज किया गया है। इस आईपीओ से 20.21 फीसदी फायदा होने की संभावना है।

लेकिन Canara Robeco Asset Management IPO का जीएमपी इतना प्रभावी नहीं है। इसलिए निवेशक इस पर ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। दोपहर 12.55 बजे इसका रिटेल सब्सक्रिप्शन 0.22 गुना हुआ है। इसका मतलब है कि अभी 22 फीसदी ही सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं कुल सब्सक्रिप्शन 0.14 गुना है। इसके साथ ही Rubicon Research IPO का रिटेल सब्सक्रिप्शन दोपहर 12.58 बजे 0.72 गुना हुआ है। हालांकि Canara Robeco Asset Management IPO में आनंद राठी विश्वास जता रहे हैं। लेकिन ऐसा क्यों, चलिए जानते हैं।

आनंद राठी की रिपोर्ट में ये बताया गया है कि कैसे कंपनी का रेवेन्यू साल दर साल बढ़ रहा है। इसके साथ ही कंपनी के बारे में कुछ खास बातें भी बताई गई है।

हुरुन इंडिया के बाद फोर्ब्स की भी आ गई लिस्ट, भारत के इन 100 अरबपतियों ने एक साल में गंवा दिए 9 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। हुरुन इंडिया के बाद अब फोर्ब्स ने भी भारत के अरबपतियों की लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में भी मुकेश अंबानी का जलवा है। उन्होंने टॉप पोजीशन हासिल की है। लेकिन भारत के टॉप 100 अमीरों को 100 बिलियन डॉलर यानी करीब 9 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। 2025 की फोर्ब्स सूची में शामिल भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की कुल संपत्ति 9त्र यानी लगभग 100 अरब डॉलर घटकर 1 ट्रिलियन डॉलर रह गई। यह गिरावट मुख्य रूप से कमजोर रुपये और पिछले साल की तुलना में बेंचमार्क सेंसेक्स में 3त्र की गिरावट के कारण हुई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी 105 अरब अमेरिकी डॉलर की संपत्ति के साथ फोर्ब्स की भारत के सौ सबसे अमीर लोगों की सूची में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। उनकी संपत्ति में 12त्र यानी लगभग 14.5 अरब डॉलर की गिरावट आई, जिससे उनकी कुल संपत्ति 105 अरब डॉलर रह गई।

गौतम अदाणी और उनका परिवार 92 अरब अमेरिकी डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। अदाणी ग्रुप के संस्थापक को सितंबर में राहत मिली जब स्श्वक्क्ष ने कहा कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा धोखाधड़ी वाले लेनदेन के आरोप साबित नहीं हो सके। इन आरोपों के कारण 2023 के दौरान अडानी समूह के शेयरों में भारी बिकवाली हुई थी।

ओपी जिंदल समूह की प्रमुख सावित्री जिंदल 40.2 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

टाटा मोटर्स के बाद अब Mahindra के होंगे टुकड़े! अलग-अलग व्हीकल सेगमेंट के लिए बनेंगी कई नई कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में टाटा मोटर्स ने डीमर्जर के बाद अपने पैसेंजर और कमर्शियल व्हीकल बिजनेस को अलग कर दिया। टाटा मोटर्स के बाद अब महिंद्रा ग्रुप भी कुछ इसी तरह की प्लानिंग कर रहा है। महिंद्रा ग्रुप अपने मेन बिजनेस यानी ट्रैक्टर, पैसेंजर व्हीकल (ईवी समेत) और ट्रकों को स्वतंत्र कंपनियों में विभाजित करने की योजना बना रहा है। ये ग्रुप का कई वर्षों में सबसे बड़ा रिस्ट्रक्चरिंग प्लान हो सकता है।

इस सेगमेंट पर महिंद्रा का खास फोकस- महिंद्रा में डीमर्जर की चर्चा अभी शुरुआती दौर में है। बता दें कि सभी बिजनेस सेगमेंट ग्रुप की प्रमुख कंपनी, महिंद्रा एंड महिंद्रा के अंतर्गत अलग-अलग सेगमेंट के रूप में कार्म करते हैं। पिछले पाँच वर्षों में, ऑटोमोटिव और कृषि उपकरण क्षेत्र दोनों सेगमेंट ने मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

ऑटो ग्रोथ के चलते एसयूवी और ट्रैक्टर सेगमेंट में महिंद्रा की लीडरशिप मजबूत हुई है। इसलिए कंपनी का स्ट्रैटजिक फोकस अब ऑटोमोटिव बिजनेस की ओर बढ़ रहा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बिना फार्मासिस्ट के संचालित मिला मेडिकल स्टोर तो मिलेगी तो सजा के साथ होगा जुर्माना

सतना। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने पूरे देश में दवा दुकानों के संचालन को लेकर सख्त रुख अपनाया है। बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के मेडिकल स्टोर चलाने पर अब तीन महीने की सजा या दो लाख रुपये तक का जुर्माना, या दोनों का प्रावधान किया गया है। यह आदेश फार्मेसी अधिनियम 1948 की धारा 42 के अंतर्गत जन विश्वास (संशोधन) अधिनियम 2023 के तहत लागू हुआ है। छिंदवाड़ा जिले में बीते दिनों बच्चों की मौत की घटना के बाद यह कार्रवाई तेज की गई है।जांच में पाया गया कि डॉक्टर की पत्नी और भतीजा बिना फार्मासिस्ट पंजीकरण के मेडिकल स्टोर चला रहे थे, जहां से प्रतिबंधित कफ सिरप बेचा जा रहा था। इस लापरवाही ने फार्मेसी काउंसिल को कड़ा कदम उठाने के लिए मजबूर किया। काउंसिल ने जारी की आवश्यक सूचना

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने स्पष्ट किया है कि अब किसी भी मेडिकल प्रैक्टिशनर के प्रिस्क्रिप्शन पर केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट ही दवा डिस्पेंस कर सकेंगे। किसी भी गैर-पंजीकृत व्यक्ति द्वारा दवा वितरण, बिक्री या डिस्पेंसिंग करते पाए जाने पर फार्मेसी एक्ट 1948 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिना प्रिस्क्रिप्शन दवा न दें, अन्यथा रद्द होगा लाइसेंस

काउंसिल ने सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देशित किया है कि वे बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन दवाएं न बेचें, अन्यथा उनका लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति को गंभीर उल्लंघन माना जाएगा और दोषी पाए जाने पर फार्मासिस्ट का रजिस्ट्रेशन भी रद्द किया जा सकता है।

अब नियम तोड़ने पर नहीं बचेगा कोई

यह सख्त कदम न केवल दवा बिक्री व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए है, बल्कि आम जनता की सुरक्षा और जीवन की रक्षा के लिए भी अहम माना जा रहा है। काउंसिल ने कहा कि दवा बेचना सेवा है, व्यवसाय नहीं।

भोपाल में PWD के पूर्व चीफ इंजीनियर जीपी मेहरा के घर लोकायुक्त टीम ने मारा छापा

भोपाल। लोक निर्माण विभाग के पूर्व चीफ इंजीनियर जीपी मेहरा के हबीबगंज स्थित मणिपुरम आवास पर गुरुवार सुबह लोकायुक्त की टीम ने छापा मारा। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के तहत की गई है। मेहरा पर विभागीय ठेके और निर्माण कार्यों में गड़बड़ी के आरोप हैं। इन शिकायतों के चलते ही गुरुवार सुबह लोकायुक्त की टीम ने यह कार्रवाई की। मेहरा के गोविंदपुरा स्थित मकान और सोहागपुर के मकान पर भी कार्रवाई की गई है। लोकायुक्त अधिकारियों कहना है कि अभी मुंबई में खरीदी गई संपत्ति से जुड़े प्रमाण मिले हैं और भोपाल में भी कुछ प्रॉपर्टी में निवेश की जानकारी मिल रही है।इधर... 10 हजार करदाता ले रहे थे राशन, खाद्य विभाग ने थमाए नोटिस भोपाल जिले में 10 हजार ऐसे राशन कार्डधारी लोग थे, जो कर जमा करने के बाद भी गरीबों के हक का खाद्यान्न ले रहे थे। जिन्हें खाद्य विभाग ने नोटिस देकर जवाब मांगा है कि वह कारण स्पष्ट करें। इन सभी कार्डधारियों का जवाब आने के बाद पात्रता सूची से बाहर कर दिया जाएगा और इनकी जगह पर नए आवेदन कर रहे लोगों को ई-केवायसी करने के बाद पात्रता पर्ची जारी की जाएगी। खाद्य विभाग ने विशेष अभियान चलाकर सर्वे कराया था, जिसमें यह 10 हजार कारदाता चिह्नित किए थे, जिनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

सीहोर में लाश का किया मोलभाव, बकाया पैसे न चुकाने पर अस्पताल ने आदिवासी को नहीं दिया शव

सीहोर। जिले से मानवता को शर्मसार कर देने वाली खबर सामने आई है। भैरूंदा स्थित निजी नर्मदा अस्पताल पर शव के नाम पर वसूली और दबाव बनाने के गंभीर आरोप लगे हैं। आदिवासी परिवार का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने इलाज के नाम पर रुपये वसूलने के बाद भी शव देने से इंकार कर दिया और अतिरिक्त पैसे की मांग कर रहा था।

जब मृतक के परिजन थक हारकर पुलिस प्रशासन के पास पहुंचे तो पुलिस के जवान शव लेने अस्पताल पहुंचे। इसी दौरान अस्पताल के कर्मचारियों और गुंडों ने पुलिस के सामने दादागिरी दिखाना शुरू कर दी। घटना का वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जब मृतक के परिजन थक हारकर पुलिस प्रशासन के पास पहुंचे तो पुलिस के जवान शव लेने अस्पताल पहुंचे। इसी दौरान अस्पताल के कर्मचारियों और गुंडों ने पुलिस के सामने दादागिरी दिखाना शुरू कर दी। घटना का वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक फूलवती बाई पति छोटेलाल बारेला उम्र 22 निवासी सनकोटा बुधवार को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई थी, जिसे परिजन नर्मदा हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। इस दौरान महिला की मौत हो गई थी, वहीं अस्पताल प्रबंधन उपचार के पैसे नहीं देने पर परिजनों को शव नहीं ले जाने दे रहा था।

इस दौरान मार्ग की सूचना मिलने पर भैरुंदा पुलिस मौके पर पहुंची थी, जहां शव को परिजनों के साथ ले जाने लगे, लेकिन अस्पताल प्रबंधन पुलिस प्रशासन की मनमानी बताते हुए उन पर दबाव बनाकर शव ले जाने का आरोप लगा रहा था।

बताया जा रहा है कि निजी नर्मदा अस्पताल एक भाजपा नेता से जुड़ा है, जिसके कारण नर्मदा हॉस्पिटल का प्रबंध यहां आने वाले मरीज के उपचार के दौरान मनमानी करता है। स्थानीय लोग और यहां के सामाजिक संगठनों ने जांच की मांग की है तथा प्रशासन से अस्पताल पर सख्त कार्रवाई करने की अपील की है।

मनीष सारस्वत बीएमओ के कहना है कि अभी इस मामले में किसी ने कोई शिकायत नही की है। जबकि भैरुदा एसडीओपी रोशन जैन का कहना है कि सिंहपुर के पास एक सड़क हादसा हुआ था, जिसमें महिला को गंभीर छोटे आई थी।

उनके परिजन नर्मदा हास्पिटल लेकर पहुंचे थे, जहां उसकी मौत हो गई थी। मर्ग के उद्देश्य से हेड कांस्टेबल राम मनोहर यादव मौके पर पहुंचे थे, जहां से परिजनों को शव दिलाने के साथ ही गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। उपचार का मृतक के परिवारजनों और नर्मदा अस्पताल प्रबंधन का बकाया पैसे का मामला था। बाद में उसका निराकरण हो गया था।

केमिस्टों की हड़ताल से मचा हाहाकार, जिला अस्पताल का जनऔषधि केंद्र भी बंद

छिंदवाड़ा। जहरीले कफ सिरप कांड के बाद खाद्य एवं औषधि विभाग की कार्रवाई से नाराज छिंदवाड़ा जिला औषधि विक्रेता संघ ने जिले भर में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है।

संघ की इस हड़ताल के चलते जिले की 1100 से अधिक होलसेल और रिटेल दवा दुकानें पूरी तरह से बंद हैं, जिससे आम जनता की परेशानी अपने चरम पर पहुँच गई है। दवा दुकानों में ताले लटके होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को दवाइयाँ नहीं मिल पा रही हैं। ऐसे गंभीर संकट के समय में, भारत सरकार के जनऔषधि केंद्र को जनता की एकमात्र उम्मीद माना जा रहा था।

जिला प्रशासन की जिम्मेदारी थी कि वह इन केंद्रों को समय पर और सुचारू रूप से चलवाए ताकि लोगों को सस्ती दवाएँ मिल सकें।

जिला अस्पताल का जनऔषधि केंद्र भी बंद-दुर्भाग्य से, प्रशासन की लापरवाही के चलते जिला अस्पताल का भारत जन औषधि केंद्र भी सुबह 10=30 बजे तक बंद रहा। केमिस्टों की हड़ताल के बीच इस आवश्यक केंद्र का बंद रहना जिला प्रशासन की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

इस मामले में जब सिविल सर्जन डॉक्टर दुबे से बात की गई, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि जन औषधि केंद्र तय समय पर खुलना चाहिए।

मुख्य समस्याएँ-1100 से अधिक निजी दवा दुकानें बंद हैं। ?जरूरतमंद लोग, विशेषकर गरीब और दूरदराज से आए मरीज, दवा के लिए भटक रहे हैं। संकट की घड़ी में भी जिला अस्पताल का जनऔषधि केंद्र समय पर नहीं खुला।

MP में एक और घूसखोर पकड़ा गया, रिटायर्ड कर्मचारी से मांग रहा था 20 हजार रुपये

मुरैना। पोरसा जनपद पंचायत में पदस्थ बाबू सतीश गोले अपने ही विभाग के रिटायर कर्मचारी से 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ लोकायुक्त ग्वालियर की टीम ने पकड़ा है। बाबू सतीश गोले जून महीने में रिटायर सहायक लेखाधिकारी तेजनारायण नवरिया से अर्जित अवकाशों का भुगतान करने के एवज में 20 हजार रुपये की मांग कर रहा था। कर्मचारी ने लोकायुक्त की शिकायत

इस बात की शिकायत कर्मचारी ने लोकायुक्त से की थी। मामले की पुष्टि होने पर गुरूवार को लोकायुक्त टीम ने बाबू सतीश गोले को पकड़ लिया। जिसकी कार्रवाई टीम पोरसा थाने में कर रही है। तेज नारायण के मुताबिक उससे 10 हजार रुपये पूर्व में लिए जा चुके थे। आपको बता दें कि कुल 30 हजार रुपये मांगे गए थे।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार की अध्यक्षता में एसजीएसआईटीएस के शासी निकाय की बैठक सम्पन्न

इंदौर। प्रदेश के उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने अपने इंदौर प्रवास के दौरान श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआईटीएस) इंदौर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। संस्थान के निदेशक प्रो. नीतेश पुरोहित सहित फैकल्टी और छात्रों से संवाद किया और विभिन्न गतिविधियों को देखा। इस मौके पर एनसीसी कैडेट्स सहित एनएसएस के छात्रों ने मंत्री श्री परमार को गार्ड ऑफ आनर दिया।

मंत्री श्री परमार ने शुरूआत स्टूडेंट संघ के उद्घाटन के साथ की। यह संघ विद्यार्थियों में स्वअनुशासन और अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये बनाया गया है। इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो. नीतेश पुरोहित, राजा भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर (मराठे), आईपीएफए के डीन प्रो. संदीप नारूलकर, इंजीनियर श्री विवेक तिवारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

इसके बाद मंत्री श्री परमार ने योगा एसेंसियल एण्ड सूर्य नमस्कार (यश योगा एप) का शुभारंभ किया। यह अपने प्रकार का मध्यप्रदेश का पहला योग सीखने वाला एप है। इस एप को संस्थान के विद्यार्थियों और फैकल्टी ने विकसित किया है। इसके बाद मंत्री श्री परमार ने अखिल भारतीय खेलकूद स्पर्धा में खो-खो टीम, शतरंग, एथलेटिक, टेबल टेनिस, बैंडमिंटन, तैराकी और ताइक्वांडो टीम के विजेता विद्यार्थियों के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाया। उल्लेखनीय है कि उक्त टीमों ने पिछले दिनों आयोजित अखिल भारतीय खेलकूद स्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन कर स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते।

ग्रामीण विकास के लिए अधोसंरचना विकास और हितग्राही मूलक योजनाओं का हो बेहतर क्रियान्वयन : मुख्य सचिव

इंदौर। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा है कि विकसित प्रदेश का मुख्य आधार है। ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसरंचना निर्माण और विकास के साथ हितग्राहीमूलक योजनाएँ संचालित हैं। जिला कलेक्टर्स एवं मुख्यकार्यपालन अधिकारी विकास के साथ योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जा रहे स्वच्छता एवं पर्यावरण संबंधी अभियानों में ग्रामीणों की भागीदारी को सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि सुशासन और अंत्योदय को सफल बनाने के मूल मापदंड के अनुसार कार्य करें।

मुख्य सचिव श्री जैन कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन ग्रामीण विकास विभाग के सत्र को संबोधित कर रहे थे। कॉन्फ्रेंस में समृद्ध ग्राम एवं विकास खंडों के पुनर्विकास के लिए समावेशी कार्ययोजना पर विशेष ज़ोर दिया गया। साथ ही पंचायतों के राजस्व सुदृढ़ीकरण पर भी चर्चा की गई।

अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि जबलपुर, इंदौर, नीमच एवं पन्ना के 14 ग्रामों का चयन किया गया है।

जबलपुर के राजस्व अभिलेखागार का नवाचार उपयोगी और अनुकरणीय

इंदौर। कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन प्रथम सत्र में जबलपुर में राजस्व विभाग के रिकॉर्ड रूम को लेकर हुए नवाचार को उपयोगी तथा अनुकरणीय बताते हुए सराहा गया। इस नवाचार ने जनसामान्य के राजस्व रिकॉर्ड देखने के अनुभव को पूर्णतः बदल दिया है। आयुक्त जनसंपर्क एवं तत्कालीन कलेक्टर जबलपुर श्री दीपक सक्सेना ने लघु फिल्म के प्रस्तुतिकरण में बताया कि जबलपुर के नवीनीकृत राजस्व अभिलेखागार का वातावरण अब बैंक के लॉकर रूम जैसा है। इस पहल से जनसामान्य के साथ रिकॉर्ड रूम के कर्मचारियों को भी गंदे-बदबूदार वातावरण से मुक्ति मिली है और वे रिकॉर्ड ढूंढने की मशक्कत से मुक्त हुए हैं। परिवारों की पीढ़ियों के लिए विशेष महत्व रखने वाला यह राजस्व रिकॉर्ड न केवल अब सुरक्षित है, अपितु रिकार्ड कहां रखा है, इसके संबंध में भी पारदर्शिता आयी है और आवश्यक जानकारियां अब सभी के लिए सुलभ है। इसके तैयार किये गये पोर्टल पर चंद एंट्रियों से पता चल जाता है कि रिकॉर्ड किस रैक-शेल्फ-बॉक्स में किस नंबर पर रखा हुआ है। आवेदक घर बैठे भी यह जानकारी प्राप्त कर सकता है और रिकॉर्ड रूम के बाहर लगाए गए कियोस्क से भी रिकार्ड में केस की लोकेशन का पता लगा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर प्रवास के दौरान जनसामान्य के जीवन को आसान बनाने वाले इस नवाचार की सराहना करते हुए जबलपुर जिला प्रशासन को इस पहल के लिए बधाई दी थी। आयुक्त जनसंपर्क श्री सक्सेना ने बताया कि प्रायः राजस्व विभाग के रिकॉर्ड रूम की स्थिति सभी जगह एक समान रहती है।

जिलों से विलेज एक्शन प्लान शीघ्र तैयार करने की अपेक्षा

इंदौर। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि नवाचारी प्रयासों से समस्याओं के वैकल्पिक समाधान तलाशें और आदर्श प्रक्रियाएं अपनाएं। जनजातीय विकास की योजनाएं संवेदनशील प्रकृति की होती हैं, इसलिये समय-सीमा का ध्यान रखा जाये। मुख्य सचिव श्री जैन भोपाल में आयोजित कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन जनजातीय विकास कार्यों, आदि कर्मयोगी अभियान, पीएम जनमन योजना, धरती आबा जनजाति उत्कर्ष अभियान, वन अधिकार अधिनियम संबंधी विषयों पर कलेक्टर-कमिश्नर से यह बात कही।

प्रमुख सचिव जनजाति कार्य श्री गुलशन बामरा ने प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने कहा आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत सभी जिले शीघ्र ही प्रत्येक ग्राम का विलेज एक्शन प्लान तैयार कर ग्राम सभा से अनुमोदन करवाये। विलेज एक्शन प्लान के आधार पर डिस्ट्रिक्ट एक्शन प्लान तैयार होगा और डिस्ट्रिक्ट एक्शन प्लान के आधार पर स्टेट एक्शन प्लान तैयार होगा। इस प्रकार तैयार हुए प्लान का नई दिल्ली में प्रस्तुतिकरण होगा और सर्वश्रेष्ठ प्लान को पुरस्कृत किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि आदि कर्मयोगी अभियान में 14 हजार 40 लक्षित गांव के 10 हजार 893 विलेज एक्शन प्लान बन चुके हैं। इन गांवों में 11 हजार 394 आदि सेवा केंद्र स्थापित हो चुके हैं। आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान जन धन, जाति प्रमाण-पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, राशन कार्ड जैसे जरूरी दस्तावेज जारी किए गए उनकी संख्या 17 लाख 70 हजार 745 है। प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट कार्य हुआ है। आधार कार्ड, जनधन बैंक खाता, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज उपलब्ध कराने में 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है।

इंदौर संभाग के किसानों में सोयाबीन भावांतर योजना के प्रति उत्साह

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर लागू की गई किसान हितैषी भावांतर योजना के प्रति किसानों में विशेष उत्साह है। इंदौर संभाग में प्राइस डेफिसिट पेमेंट स्कीम (भावांतर योजना) अंतर्गत खरीफ वर्ष 2025 (विपणन वर्ष 2025-26) अंतर्गत इंदौर संभाग में ई-उपार्जन पोर्टल पर सोयाबीन के पंजीयन का कार्य तेजी से जारी है। निर्धारित पंजीयन केंद्रों पर किसानों द्वारा उत्साह के साथ भावांतर योजना अंतर्गत पंजीयन कराया जा रहा है।

इंदौर संभाग में 08 अक्टूबर तक 44242 किसानों ने अपनी फसल का पंजीयन कराया गया है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर प्रशासनिक अमले को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इंदौर जिले में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जिला स्तर पर गठित जिला समिति तथा अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समितियों को विशेष निर्देश दिए हैं कि किसी भी किसान को पंजीयन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। पंजीयन केंद्रों पर पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, छाया और पेयजल की सुविधा सुनिश्चित की गई है। सुव्यवस्थित प्रबंधन के चलते सभी केंद्रों पर पंजीयन सुचारू रूप से हो रहा है। इंदौर जिले में 48 पंजीयन केंद्र बनाये गये हैं। इंदौर जिले में अब तक 28344 किसानों ने भावांतर योजना के अंतर्गत अपना पंजीयन कराया है। कलेक्टर द्वारा पंजीयन केन्द्रों की सतत मॉनिटरिंग हेतु एक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार इंदौर संभाग के बड़वानी जिले में भावांतर योजना के तहत पंजीयन के लिये 47 केन्द्र बनाये गये हैं। इन केन्द्रों पर अभी तक 3853 किसानों ने पंजीयन कराया हैं। इसी तरह खरगोन जिले में 5155, खण्डवा जिले में 3659, झाबुआ जिले में 1508, बुरहानपुर जिले में 699, धार जिले में 650 और आलीराजपुर जिले में 374 किसानों ने भावांतर योजना के तहत पंजीयन कराया है।

भारतीय का आधार शिक्षा और संस्कृति, वसुधैव कुटुम्बकम भारत की परम्परा रही है : मंत्री श्री परमार

इंदौर। प्रदेश के उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारत का गौरवशाली इतिहास रहा है। 300 वर्ष पूर्व भारत में 7 लाख गुरूकुल सहित उच्च शिक्षा संस्थान थे। उस दौर में 80 से 90 प्रतिशत साक्षरता थी। उस कालखण्ड में भारत में मेडिकल सहित इंजीनियरिंग और वास्तुविद् की शिक्षा दी जाती थी। नालंदा विश्वविद्यालय में सभी विषयों की शिक्षा दी जाती थी और यहां विद्यार्थी दूर-दूर से पढ़ने आते थे। उस दौर में भारत में शिक्षा का स्तर बहुत ऊँचा था। शिक्षा और संस्कृति भारतीयता का आधार था। वसुधैव कुटुम्बकम् की हमारी परम्परा थी और भारत को विश्वगुरु के रूप में सम्मान प्राप्त था। मंत्री श्री परमार बुधवार को श्री गोविंदराम सेक्सरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआईटीएस) इंदौर में ग्रेजुएशन एवं गोल्ड मेडल सेरेमनी (उडान-2025) कार्यक्रम में अपना मुख्य संबोधन दे रहे थे। इस मौके पर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के कुलगुरु प्रो. राजीव त्रिपाठी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई, राजा भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर (मराठे), संस्थान के पूर्व छात्र पद्मश्री प्रो. डीबी फाटक, संस्थान के निदेशक प्रो. नीतेश पुरोहित और उद्योगपति एवं पर्सिसटेंट सिस्टम लिमिटेड के संस्थापक डॉ. आनंद देशपाण्डे विशेष रूप से उपस्थित थे।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति में नवाचार के क्रम को बनाये हुए है। उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा के पाठ्यक्रमों में हमारे पूर्वजों और भारतीय परम्परा के ज्ञान को लगातार जोड़ा जा रहा है।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उज्जैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी – संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास – संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य – कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा – उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय – विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव – विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे – ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर – संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर – संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी – विशेष प्रतिनिधि

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा हैदराबाद नगर निगम द्वारा किए जा रहे वेस्ट टू रिसाइकल एवं गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन प्लांट का अवलोकन किया गया

महापौर मुकेश टटवाल द्वारा हैदराबाद नगर निगम द्वारा सूखे कचरे से बिजली उत्पन्न एवं कचरा कलेक्शन प्रक्रिया की सराहना की

उज्जैन। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा दो दिवसीय हैदराबाद प्रवास के दौरान हैदराबाद नगर निगम द्वारा स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत किए जा रहे वेस्ट टू रिसाइकल एवं गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन प्लांट का निरीक्षण किया गया साथ ही सूखे कचरे से उत्पन्न 124 मेगावाट बिजली बनाने के प्लाट का भी निरीक्षण किया गया।

हैदराबाद शहर जिसकी जनसंख्या लगभग 01 करोड़ 20 लाख है वहां के नगर निगम द्वारा कचरा कलेक्शन और कचरे के प्रबंधन की प्रक्रिया का महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा अवलोकन करते हुए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम मुख्यालय का अवलोकन एवं हैदराबाद के महापौर श्रीमती विजया लक्ष्मी गढ़वाल से सौजन्य भेंट करते हुए हैदराबाद नगर निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं नवाचारों के बारे में विस्तृत से जानकारी दी गई साथ ही महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा भी उज्जैन नगर निगम द्वारा किए जा रहे स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत फूलों से बनाए जा रहे अगरबत्ती, धूपबत्ती, हर्बल गुलाल एवं कचरे से बनाई जा रही खाद प्रक्रिया की जानकारी दी गई

हैदराबाद नगर निगम द्वारा कचरा कलेक्शन के दौरान कचरा कलेक्शन वाहन चालक द्वारा प्रत्येक घरों से कचरा लेने पर मासिक शुल्क लिया जाता है साथ ही व्यावसायिक स्थान से भी कचरा संग्रहण करने का शुल्क अलग है वाहन चालक द्वारा स्वयं ही कचरा कलेक्शन वाहनों का मेंटेनेंस किया जाता है।

इस दौरान एमआईसी सदस्य श्री सत्यनारायण चौहान, श्री शिवेंद्र तिवारी, श्री प्रकाश शर्मा, श्री रजत मेहता, श्री जितेंद्र कुवाल, श्रीमती सुगन बाबूलाल बाघेला, डॉ योगेश्वरी राठौर, पार्षद श्री हेमंत गहलोत, सहायक आयुक्त श्री रविकांत मगरदे, भवन अधिकारी श्री राकेश वास्कले उपस्थित रहे।

संपूर्ण साहित्य परम्परा में प्रेमचंद अद्वितीय-डॉ. शैलेन्द्र शर्मा

उज्जैन। विश्व पटल पर प्रेमचंद के समक्ष दूसरा कथाकार दिखाई नहीं देता। संपूर्ण साहित्य परम्परा में प्रेमचंद अद्वितीय हैं। साम्राज्यवाद के विरुद्ध आम जनता को प्रेमचंद सजग करते हैं। बड़े घर की बेटी जैसी कहानी लिखकर वे परिवार में आदर्श उपस्थित करते हैं। प्रत्येक लघुकथाकार को प्रेमचंद को पढ़े बिना प्रवेश नहीं करना चाहिए। प्रेमचंद ने अखंड मानवता के सपने रोपित किए हैं।

उक्त उद्गार सरल काव्यांजलि साहित्यिक संस्था द्वारा आयोजित प्रेमचंद पुण्य स्मरण और लघुकथा गोष्ठी में वरिष्ठ समालोचक, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलानुशासक डॉक्टर शैलेन्द्र कुमार शर्मा ने व्यक्त किए। जानकारी देते हुए संस्था के राजेन्द्र देवधरे दर्पण ने बताया कि कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ शिक्षाविद डॉक्टर हरिमोहन बुधोलिया ने कहा कि रचना लिखने के तुरंत बाद उसे किसी को नहीं सुनाना चाहिए। ना ही छपने देना चाहिए। उस पर चिंतन मनन करें फिर आगे बढ़ाए। वरिष्ठ लघुकथाकार सन्तोष सुपेकर ने कहा कि लघुकथा एक ऐसी कथा है जिसमे लघुता अपनी संपूर्णता लिए तीक्ष्णता के साथ विद्यमान हो। इस अवसर पर विशेष अतिथि, आकाशवाणी केन्द्र उज्जैन की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनामिका चक्रवर्ती और प्रसारण अधिकारी सौरभ अवस्थी का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।श्रीमती अनामिका चक्रवर्ती ने अपने सम्मान के प्रत्युत्तर में कहा कि आकाशवाणी अपने 90 वर्ष पूरे करने जा रहा है। इस पुनीत अवसर पर मैं उज्जैन की सभी साहित्यिक और सांकृतिक संस्थाओं का आदर करती हूँ। सौरभ अवस्थी ने संस्था को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर आयोजित लघुकथा गोष्ठी में प्रतिभा शर्मा ने चुल्लू भर पानी, संतोष सुपेकर ने अनोखा सत्य और भूल गया था मैं, डॉ. पुष्पा चौरसिया ने लघु व्यंग्य कथा, मुकेश जोशी ने पुनर्जन्म, मानसिंह शरद ने पर्वत सी पीर, दुगना, डॉ. नेत्रा रावणकर ने हस्तरेखा, गोपालकृष्ण निगम ने मंगल आचरण, आशागंगा शिरढोणकर ने इकलौता, डॉ.वंदना गुप्ता ने मंजिल की ओर, माया बधेका ने शरद चंद्रिका और वंश, डॉ. रश्मि मोयदे ने इलाज, वर्षा गर्ग (मुंबई) ने अनदेखी, डॉ. स्वामीनाथ पांडेय ने माँ आदि।

8वीं जिला स्तरीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता 11 अक्टूबर को

उज्जैन। स्व. चुन्नी पहलवान एवं स्व. कमल पहलवान यादव की स्मृति में जिला स्तरीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन कालिदास अकादमी के अभिरंग नाट्य गृह कोठी रोड़ पर 11 अक्टूबर को किया जा रहा है।

संस्था के अध्यक्ष गोपाल यादव व सचिव प्रतीकसिंह तोमर ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता सब जूनियर, यूथ सीनियर (पुरूष/महिला) वर्गो में आयोजित की जाएगी। जिसमें जिले के 150 से अधिक खिलाड़ियों के सहभागिता करने की आशा है। संस्था के उपाध्यक्ष संदीप सिंह व सहसचिव जितेंद्रसिंह कुशवाह ने बताया कि प्रत्येक वर्ग में चैम्पियन ऑफ चैम्पियन का खिताब दिया जाएगा। सीनियर को 5 हजार केश प्राईज व अन्य वर्गो में 2100 रूपये केश प्राईज, आकर्षक ट्राफी व प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया जाएगा।

भाविप हरसिद्धि ने कन्या भोज के साथ किया गरबा महोत्सव

उज्जैन। शारदेय नवरात्रि में भारत विकास परिषद हरसिद्धि द्वारा सेवा भारती बालिका छात्रावास में कन्या भोज के साथ गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व नगर निगम सभापति प्रकाश चित्तौड़ा, भाविप के प्रांतीय संरक्षक ईश्वर पटेल एवं समाजसेवी भगवान शर्मा थे। उक्त जानकारी देते हुए संस्था अध्यक्ष संगीता सोनी एवं संरक्षक आरती खरे ने बताया कि उपस्थित अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती के समक्ष दीप-प्रज्व्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर छात्रावास की 70 से भी अधिक बालिकाओं को संस्था अध्यक्ष द्वारा पादपूजन कर वस्त्र और उपहार भेंट किए। कन्या भोज उपरांत बालिकाओं द्वारा की दी गई नृत्य प्रस्तुति ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। आपने बताया कि वरिष्ठ समाजसेवी भूषण खुल्लर, दिनेश महाजन, रुदेश-तनु शर्मा एवं सेवाभारती के कार्यकर्ता विशेषरूप से उपस्थित थे। संस्था की मातृशक्ति हीरामणि महाजन, कृष्णा खोड़े, सरोज बाला श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव, जया परिहार, बसंताजी, सावित्रीजी, रुचि पोरवाल ने गरबों की मनमोहन प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन संस्था संरक्षक ओमप्रकाश गर्ग ने किया व आभार प्रीति तैलंग ने माना।

उज्जैन में हुआ मीणा समाज का दशहरा मिलन समारोह, समाजसेवियों का सम्मान

मीणा बंधुओं ने समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का लिया संकल्प

उज्जैन। मप्र मीणा समाज सेवा संगठन की उज्जैन जिला ईकाई के तत्वावधान में दशहरा मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर उपस्थित सभी स्वजातीय बंधुओं ने एकजुट और सक्रिय होकर समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण मीणा व समाजसेवी रतनलाल चांदा थे। सर्वप्रथम अतिथियों ने भगवान मीनेश के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्व्वलित किया। तत्पश्चात अतिथियों का नवनिर्वाचित उज्जैन जिलाध्यक्ष योगेश मीणा, राजेश मीणा, सतीश मीणा, महेंद्र मीणा दादू, गणेश मीणा सहित अन्य लोगों ने स्वागत किया। समाज के नवनियुक्त उज्जैन जिलाध्यक्ष श्री मीणा का भी स्वजातीय बंधुओं ने पुष्पमाला पहनाकर स्वागत और साफा बांधकर सम्मान किया।

प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण मीणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज की उन्नति और पहचान के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना होगा। साथ ही समाज की उन्नति में बाधक कुप्रथाओं का भी त्याग करना होगा।

समारोह को समाजसेवी मदनलाल मीणा रतलाम, पत्रकार अजय बारवाल, इंदौर जिलाध्यक्ष सुभाष मीणा, बालमुकुंद मीणा, घनश्याम मीणा, रामेश्वर मीणा, लक्ष्मण मीणा सहित अन्य स्वजातीय बंधुओं ने संबोधित करते हुए समाज में रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही।

जिला कार्यकारिणी में सक्रिय लोगों को शामिल किया जाए, इसको लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। मप्र मीणा समाज सेवा संगठन के तत्वावधान में प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास रावत के नेतृत्व में आगामी 9 नवंबर को भोपाल में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को भी सफल बनाने का आग्रह स्वजातीय बंधुओं से किया गया। जिलाध्यक्ष श्री मीणा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस विश्वास पर आप सभी के सहयोग से खरा उतरने हरसंभव प्रयास करुंगा।

आद्यगौड़ ब्राह्मण समाज की मातृ शक्ति प्रकोष्ठ ने किया शरद पूर्णिमा गरबा उत्सव का आयोजन

उज्जैन। स्थानीय आद्य गौड़ ब्राह्मण समाज ट्रस्ट की महिला प्रकोष्ठ ने शरद पूर्णिमा पर कृष्ण का रास, राधा के साथ पारंपरिक गरबा नृत्य और उत्सव पूर्णिमा की सुहानी रात में माँ दुर्गा की भक्ति में लीन होकर भी समाज की महिलाओं ने गरबा खेलें और पारंपरिक संगीत का आनंद लिया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बेस्ट गरबा क्वीन, बेस्ट ड्रेसअप, बेस्ट गरबा रहा । गरबा आयोजन के बाद उपस्थित समाज जनों को फलाहारी खिचड़ी और केसर युक्त दूध का प्रसाद वितरित किया गया 7 ट्रस्ट के अध्यक्ष सतीश चंद्र शर्मा ने गरबा प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया 7 उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गोकुल शर्मा ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com